Title : Regarding renovation and conservation of ?Satras? and Namghars?, the institutions of preachings set up by the great reformer of Assam, Sri Sankar Deva-Laid.

श्रीमती क्वीन ओझा (गौहाटी): मैं असम के सत्र नामघरों के विषय की वर्तमान स्थिति के बारे मे आपको अवगत कराना चाहती हूँ कि श्री शंकर देव ने 550 साल पूर्व में समाजिक, सांस्कतिक, और आध्यात्म के क्षेत्र एक नवजागरण की शुरूआत की। उनके द्वारा प्रतिष्टित नामघर और सत्र समूह असम की सभ्यता स्वरूप है। आज इन सत्र नामधरों की जमीन पर घुसपैठियों ने कब्जा कर रखा है, यह हमारे लिए एक चिंता का विषय है। असम के वर्तमान मुख्यमंत्री जी के सबल नेतृत्व मे घुसपैठियों के कब्जे से उन जमीनों को मुक्त कराया है व उनके जीर्णोद्वार मे अहम भूमिका निभाई है।

असम के हर जिले में जितने भी नामघर है उन्हें भारत सरकार के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंर्तगत सरंक्षित नही किया गया है। उनका पुर्ननिर्माण व संरक्षण करने व भारत सरकार को अधिक अनुदान देने हेतु मैं अनुरोध करती ह्रूँ व आशा करती हूँ कि भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री जी जिन्होने नार्थ ईस्ट को अष्टलक्ष्मी माना है, उनके आर्शीवाद से इस अमृत युग मे ये शुभकार्य जरूर संपन्न होगा और सरकार की सकारात्मक पहल से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित करके इनका पुर्ननिर्माण कराया जाऐगा।